SUCCESS STORY – 4
(Promotion of improved Breed of Cow)

कृषक का नाम – श्री संधारी राम

ग्राम – घुघरा

विकास खण्ड – सोनहत

जिला – कोरिया (छ.ग.)

जिला मुख्यालय कोरिया से लगभग 35 किलोमीटर दूर विकासखंड– सोनहत के अंतर्गत ग्राम घुघरा है इस गांव के आदिवासी कृषक श्री संधारी राम जी निवास करते हैं।

कुछ वर्ष पूर्व इनकी आय का दैनिक स्रोत खेतीबाडी करना था। एवं इनकी जीविका हेतु ये खेती बाडी करने के अलावा किसी भी कार्य करने में समर्थ नहीं थे चूंकि इनकी उम्र लगभग 52 वर्ष है। अतः इनके पास कृषि के अलावा अन्य काय[redacted] हेतु बहुत मुसीबतों का सामना करना पडता था एवं पारिवारिक स्थिति भी सुदृढ नहीं थी, चूंकि परिवार में इसमें सिर्फ इनकी पत्नी स्वयं व 02 बच्चे है चूंकि दोनों बच्चे बेरोजगार थे व दैनिक दिनचर्या में मजदूरी के अलावा कोई भी कमाई का साधन नहीं था। परंतु कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरिया की मदद व वैज्ञानिक सलाह एवं ट्रेनिंग के पश्चात गिर नस्ल की एक दुधारु गाय इन्हें कृषि विज्ञान केन्द्र, कोरि[redacted]या द्वारा प्रदान की गई जिसका प्रतिदिन दूध उत्पादन 08 लीटर था। दूध उत्पादन होने के पश्चात उस दूध को आसपास गांव में विक्रय कर प्रतिदिन रु. 250/–आय प्राप्त करने लगे। इस सिलसिले को आज ढाई साल के पश्चात श्री संधारी राम जी ने नया आयाम देकर अपने ही घर में तीन गायें बडा ली है। और आज वर्तमान में उन तीन गायों में से दो गायों से दूध प्राप्त कर रहे हैं। चूंकि ये अन्य दो गायों को पूर्व में प्रदान की गाय के कृत्रिम गर्भाधान के प्राप्त कर चुकें है। श्री संधारी राम जी की पत्नी बताती है कि यह गाय उनकी कामधेनू है चूंकि आज उनके घर पर 16 लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन के पश्चात दैनिक आय में लगभग रु. 500/– की बढोत्तरी हुई है एवं उससे प्राप्त गोबर से व गोबर खाद बनाकर अपने खेतों में उपयोग करते हैं। इस प्रकार खाद में होने वाले व्यय से भी उनकी बचत हुई है।गोबर खाद का उपयोग करने के पश्चात बची हुई खाद का विक्रय श्री संधारी राम जी के द्वारा किया जा रहा है। वे गांव में लगभग प्रतिवर्ष रुपये 04से 06 हजार की खाद का विक्रय करते हैं। जो कि उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान कर रहा है। आज खेती की 02 एकड जमीन में लगभग रुपये 02 हजार की खाद भी बचत करते है। जो कि उनके आर्थिक संपन्नता को बढाने में मददगार रहा है।